कुरुक्षेत्र पैनोरमा एवं विज्ञान केंद्र में सूर्यग्रहण पर पैनल प्रदर्शनी

चर्चा में क्यों?

25 अक्तूबर, 2022 को हरियाणा के कुरुक्षेत्र पैनोरमा एवं विज्ञान केंद्र में सूर्यग्रहण के अवसर पर दर्शकों के अवलोकनार्थ व्यापक प्रबंध किये गए। प्रात: काल केंद्र में सूर्यग्रहण मान्यताएं एवं वैज्ञानिक अवधारणा विषय पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन कुरुक्षेत्र के उपायुक्त शान्तनु शर्मा ने किया।

प्रमुख बिंदु

- उपायुक्त शांतनु शर्मा ने कहा कि यह प्रदर्शनी समाज में फैले अंधविश्वास को दूर कर जनमानस के समक्ष वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रभावी तरीके से रखने में सक्षम है।
- इस बार कुरुक्षेत्र में आंशिक सूर्यग्रहण रहा, कुरुक्षेत्र में सूर्य ग्रहण का समय 4:25 पर प्रारंभ हुआ तथा 5.39 पर समाप्त हुआ। इसका अधिकतर संक्रमण 5.28 मिनट तक रहा तथा कुरुक्षेत्र में सूर्य ग्रहण की कुल अवधि 1 घंटा 14 मिनट रही।
- उल्लेखनीय है कि जब चंद्रमा पृथ्वी एवं सूर्य के मध्य आ जाता है तो चंद्रमा सूर्य को आंशिक या पूर्ण रूप से ढक लेता है। इस खगोलीय घटना को विज्ञान की भाषा में सूर्यग्रहण कहा जाता है।
- भागवत पुराण के अनुसार एक बार सूर्यग्रहण के अवसर पर श्रीकृष्ण, बलराम और द्वारका से प्रजाजनों के साथ कुरुक्षेत्र आए थे।
- इस अवसर पर मत्स्य, उशीनर, कौशल, विदर्भ, शृंजय, कंबोज, कैकेय, कुन्ती, अनर्त आदि भारत के अनेक राज्यों के शासक भी आए। इसी अवसर पर ब्रज से नंद और यशोदा भी अन्य गोप-गोपियों संग कुरुक्षेत्र आए थे, इसलिये ही कुरुक्षेत्र में सूर्यग्रहण मेला का आयोजन किया जाता है।
- उपायुक्त ने कहा कि केंद्र द्वारा सूर्य, चंद्रमा एवं पृथ्वी की इस स्थिति को नज़दीक से देखने हेतु एक सेलेस्ट्रोन के दो टेलीस्कोप केंद्र के विज्ञान उद्यान में लगाए गए। केंद्र द्वारा किसी भी दर्शक को नंगी आँख से सूर्य ग्रहण न देखने की सलाह दी गई।
- इस ऐतिहासिक खगोलीय घटना के समय कुरुक्षेत्र के पवित्र ब्रह्मसरोवर में लाखों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। संतों से लेकर अन्य श्रद्धालुओं के लिये स्नान की अलग-अलग व्यवस्था की गई थी। युधिष्ठिर घाट पर शाही स्नान की व्यवस्था की गई थी।
- विदित है कि गीता स्थली कुरुक्षेत्र आस्था और पर्यटन का संगम है। पिछले दिनों पवित्र तीर्थ ज्योतिसर में भगवान श्रीकृष्ण के विराट स्वरूप की मूर्ति का अनावरण किया गया था। आगे यहाँ पर थ्री-डी प्रोजेक्शन मैपिंग शो भी देखने को मिलेगा। आने वाले दिनों में इस शो का उद्घाटन किया जाएगा। इस शो में महाभारत और श्रीमद्भगवद गीता से जुड़े प्रसंगों को दिखाया जाएगा। इसके लिये अत्याधुनिक तकनीक जैसे ऑगमेंटेड रियलिटी, होलोग्राफिक इमेज, रोबोटिक और ड्रोन आदि का इस्तेमाल किया जाएगा।
- ज्योतिसर तीर्थ पर 2019 से एक लाइट एंड साउंड शो चल रहा है। इसके अतिरिक्त सरकार ने ज्योतिसर तीर्थ का परिक्रमा पथ भी बनवाया है। तीर्थ पर लाइटिंग का कार्य किया गया है और प्राचीन वट वृक्ष की सुरक्षा के लिये दीवार भी तैयार करवाई गई है।
- उल्लेखनीय है कि धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र की नगरी का विकास करने के लिये कुरुक्षेत्र डेवलपमेंट बोर्ड का गठन किया गया था। इस बोर्ड द्वारा 48 कोस सर्किट के तहत 164 स्थानों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है।
- कृष्णा सर्किट योजना के तहत हरियाणा सरकार और केंद्र सरकार द्वारा कुरुक्षेत्र को ऐसा तीर्थ स्थल बनाया जा रहा है, जो आकर्षण का केंद्र बनेगा। कुरुक्षेत्र में तिरुपति बालाजी का एक मंदिर बन रहा है एवं इस्कॉन मंदिर, अक्षरधाम मंदिर बन चुके हैं। गीता ज्ञान संस्थानम भी गीता के ज्ञान के प्रसार के लिये बहुत बड़ा संस्थान बनने वाला है। यहाँ रिसर्च का काम भी चल रहा है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/panel-exhibition-on-solar-eclipse-at-kurukshetra-panorama-and-science-center